प्रकाशनार्थ

पटना. 11 जून। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के संस्थापकों - डॉ. शैबाल गुप्ता और डॉ. प्रभात पी घोष - की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन वर्कशॉप में भाग लेते हुए आज आद्री की डॉ. मौसमी गुप्ता, जो कि एक डेटा विज्ञान विशेषज्ञ हैं, ने "पैटर्न रिकॉग्निशन" शीर्षक पर एक भाषण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे वह सिक्किम में अपनी पढ़ाई के दौरान डेटा का विश्लेषण करके यह अनुमान लगाया कि कहां भूस्खलन अधिक बार होगा। इसके बाद आद्री के दानिश राजदान और नेहा गुप्ता द्वारा नवोदित शोधकर्ताओं के लिए सिस्टमैटिक रिव्यू और मेटा- एनालिसिस पर एक प्रस्तुति हुई।

इससे पहले आद्री की सदस्य सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। आद्री की पूजा कुमारी ने "सीएसईसी-ईआईएसीपी, आद्री: स्थापना और प्रमुख गतिविधियां" के बारे में बताया। ईआईएसीपी यानी पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम आद्री के सेंटर फाॅर स्टडीज आॅन इनवारन्मेंट एण्ड क्लाइमेट चेंज (सीएसईसी) में केन्द्रित है। यह दोनों पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में हैं। उन्होंने सीएसईसी द्वारा चलाए जा रहे हरित कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में बात की। इसके बाद आद्री के सेंटर फॉर हेल्थ पॉलिसी (सीएचपी) की डॉ. संचिता महापात्रा द्वारा "सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान: फ्रेमिंग और कार्यप्रणाली" पर एक वार्ता हुई। इस अवसर पर बोलते हुए पटना के जैव मंडल -रिजर्व तरु मित्रा की देवोप्रिया दत्ता ने लोगों के बीच पारिस्थितिक संवेदनशीलता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फिर दिन के कार्यक्रमों के अंत को चिह्नित करने के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित विद्वानों और भावी युवा शोधकर्ताओं ने वस्तुतः और व्यक्तिगत रूप से भाग लिया।

(अभिषेक प्रसाद)